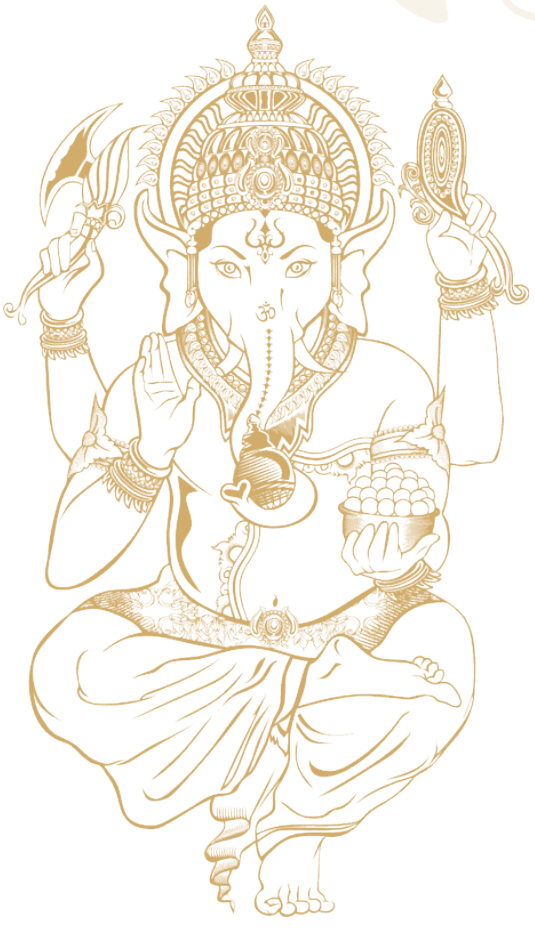

Gitane kaushal

Aabha Mendiratta

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121417705

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
01/07/1991	जन्म तिथि	12/03/1994
सोमवार	दिन	शनिवार
घंटे 10:49:00	जन्म समय	20:30:00 घंटे
घटी 13:26:04	जन्म समय(घटी)	34:32:18 घटी
India	देश	India
Ludhiana	स्थान	Nuh
30:56:00 उत्तर	अक्षांश	28:07:00 उत्तर
75:52:00 पूर्व	रेखांश	77:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:32	स्थानिक संस्कार	-00:22:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:26:34	सूर्योदय	06:35:45
19:33:46	सूर्यास्त	18:28:23
23:44:34	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:49

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 3वर्ष 6मा 14दि	22:46:04	सिंह	लग्न	कन्या	25:39:18	गुरु 1वर्ष 11मा 15दि
गुरु	15:09:24	मिथु	सूर्य	कुंभ	28:01:35	बुध
13/01/2013	29:55:25	मक	चंद्र	मीन	01:42:06	25/02/2015
13/01/2029	27:31:44	कर्क	मंगल	कुंभ	10:16:59	26/02/2032
गुरु 04/03/2015	00:46:18	कर्क	बुध	कुंभ	01:24:14	बुध 24/07/2017
शनि 14/09/2017	20:40:10	कर्क	गुरु व	तुला	20:38:54	केतु 21/07/2018
बुध 21/12/2019	29:12:13	कर्क	शुक्र	मीन	11:13:30	शुक्र 21/05/2021
केतु 26/11/2020	11:34:36	मक व	शनि	कुंभ	11:20:30	सूर्य 27/03/2022
शुक्र 28/07/2023	25:10:31	धनु	राहु व	वृश्चि	02:04:00	चन्द्र 27/08/2023
सूर्य 15/05/2024	25:10:31	मिथु	केतु व	वृष	02:04:00	मंगल 23/08/2024
चन्द्र 14/09/2025	18:12:37	धनु व	हर्ष	मक	01:34:17	राहु 13/03/2027
मंगल 21/08/2026	21:49:15	धनु व	नेप	धनु	29:03:02	गुरु 17/06/2029
राहु 13/01/2029	24:01:46	तुला व	प्लूटो व	वृश्चि	04:15:24	शनि 26/02/2032

लग्न-चलित

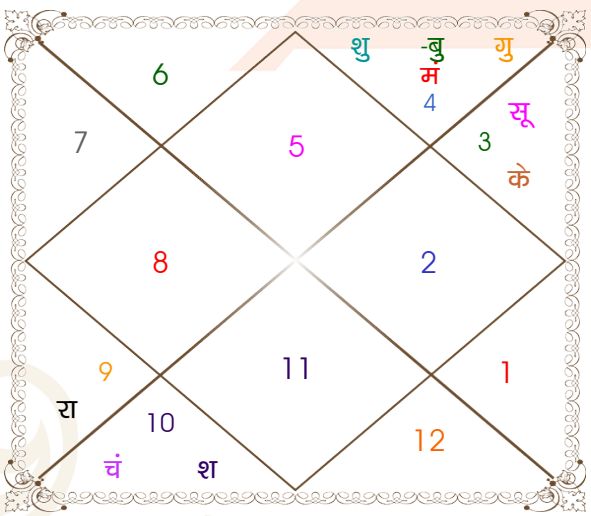

लग्न-चलित

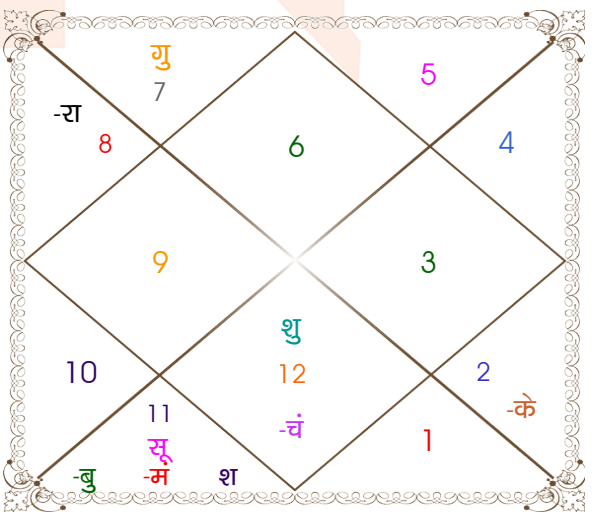

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	सिंह	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मकर	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

ळपजंदम ािंीस का वर्ग मार्जार है तथा ाइीं डमदकपतंजजं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ळपजंदम ािंीस और ाइीं डमदकपतंजजं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ळपजंदम ािंीस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ळपजंदम ािंीस कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ळपजंदम ािंीस कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो

जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु ळपजंदम ंर्नोंस कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ंईीं डमदकपतंजजं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ंईीं डमदकपतंजजं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ळपजंदम ंर्नोंस तथा ंईीं डमदकपतंजजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।